10. राजा अशोक

तुम्हारे विचार में एक अच्छे राजा में क्या-क्या गुण होने चाहिये? क्या तुमने किसी अच्छे राजा के बारे में सुना है?

इन दो चित्रों को तुम कई बार देखते हो। क्या तुम बता सकते हो कि ये किस के चित्र हैं, और तुम इन्हें कहां-कहां देखते हो?

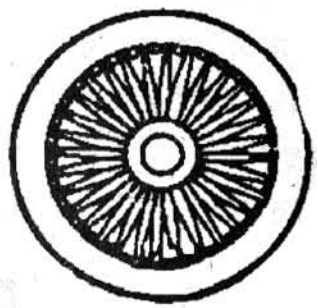

मगध का राजा अशोक

बहुत पुराने समय में, यानी गौतम बुद्ध की मृत्यु के 200 साल बाद एक राजा हुआ था। उसका नाम था अशोक। राजा अशोक मगध राज्य का राजा था और उसकी राजधानी थी पाटलिपुत्र।

राजा अशोक ने अपने राज्य में जगह-जगह कई लंबे, सुन्दर, चमकाये हुये पत्थरों से बने खंभे गढ़वाए। खंभों पर उसने अपने संदेश खुदवाए। खंभों के ऊपरी सिरे पर कहीं बैल, कहीं हाथी तो कहीं सिंह बने थे।

अशोक के कुछ खंभों पर चार सिंहों की मूर्ति थी। सिंहों की मूर्ति के नीचे एक चक्र बना होता था। उसी मूर्ति का चित्र तुम भारत सरकार के नोटों और कागज़ातों पर देखते हो और वही चक्र तुम भारत के **राष्ट्रीय** झंडे के बीचों बीच बना देखते हो।

राजा अशोक की निशानियां आज भी भारत की निशानियां मानी जा रही हैं।

राजा अशोक में ऐसी क्या खास बात होगी कि उसे आज भी महत्वपूर्ण माना जाता है और याद किया जाता है? दो तीन कारणों का अंदाज़ा लगाकर बताओ।

बहुत बड़ा और शक्तिशाली राज्य

अशोक जब सिंहासन पर बैठा - तब उसका राज्य बहुत लंबा-चौड़ा था। उसके पिता बिन्दुसार ने दक्षिण भारत के कई हिस्सों को जीत लिया था।

उसके दादा चन्द्रगुप्त मौर्य उत्तर और पश्चिम के हिस्सों पर कब्ज़ा कर चुका था।

चंद्रगुप्त मौर्य ने सिकंदर के सेनापति सेल्यूक्स निकेटर को हरा दिया था और इस तरह यूनानी राजाओं की शक्ति को बढ़ने से रोका था।

क्या तुम्हें याद है कि यूनानी लोग भारत की तरफ क्यों आए थे?

अशोक के दादा, चंद्रगुप्त मौर्य को राज्य जीतने और बढ़ाने में चाणक्य नाम के एक चतुर पंडित ने मदद की थी। चाणक्य की मदद से चंद्रगुप्त ने अपने विशाल राज्य में शासन करने का पूरा इंतज़ाम किया था।

इस तरह अशोक को अपने पिता और दादा से बहुत विशाल और शक्तिशाली राज्य मिला था। अशोक ने भी एक बड़ा युद्ध लड़कर पूर्वी हिस्से में पड़ने वाले कलिंग नाम के एक **स्वतंत्र** जनपद को हराया और उसे अपने राज्य में मिला लिया।

तुम मानचित्र 7 में देखो कि आज के भारत के लगभग पूरे भाग पर और उसके बाहर के हिस्सों पर भी अशोक राज्य करता था।

अशोक के राज्य में आज के कौन-कौन से देशों के हिस्से आते थे? आज के भारत के जो इलाके अशोक के राज्य में नहीं थे उन्हें पेंसिल से रंगो।
क्या इससे पहले किसी राजा का राज्य इतना बड़ा था? पिछले पाठों के नक्शे देखकर बताओ।
क्या तुम सोच सकते हो कि बड़ा राज्य होने की क्या कठिनाइयां हैं और क्या-क्या फायदे हैं?

अशोक का राज्य था तो बहुत बड़ा, पर उन दिनों बहुत से इलाकों में जंगल थे। जंगलों में कहीं-कहीं शिकारी **कबीले** रहते थे। और कहीं-कहीं जंगलों में थोड़ी बहुत खेती करने वाले लोगों की बस्तियां थीं।

दूर-दराज़ के इलाकों में राजा के अधिकारी

जहां-जहां गांव व शहरों की घनी बस्तियां थीं वहां-वहां राजा ने अपने अधिकारी और कर्मचारी **नियुक्त** किए थे। वे अपने-अपने इलाके के किसानों, कारीगरों, व्यापारियों से लगान वसूल करते थे। राजा की आज्ञा न मानने वालों को दण्ड देते थे। राजा के खिलाफ **विद्रोह** की बात सोचने वालों की ख़बर राजा तक पहुंचाते थे जो दूर पाटलिपुत्र में रहता था। राज्य के दूर-दूर के हिस्सों में **तैनात** अधिकारियों पर भी राजा नज़र रखता था।

उसके चार राजकुमार राज्य के चार भागों में रहते थे। उत्तर में तक्षशिला, पश्चिम में उज्जयिनी, दक्षिण में सुवर्णगिरी और पूर्व में तोसली नाम के नगरों में राजकुमार रहते थे। इन नगरों को नक्शे में देखो। इन नगरों से राजकुमार आस-पास के इलाकों की देख-रेख करते थे।

अशोक के कुछ बड़े अधिकारी राज्य भर में दौरा करते रहते थे और शासन का काम देखते थे। इन्हें **महामात्र** कहा जाता था।

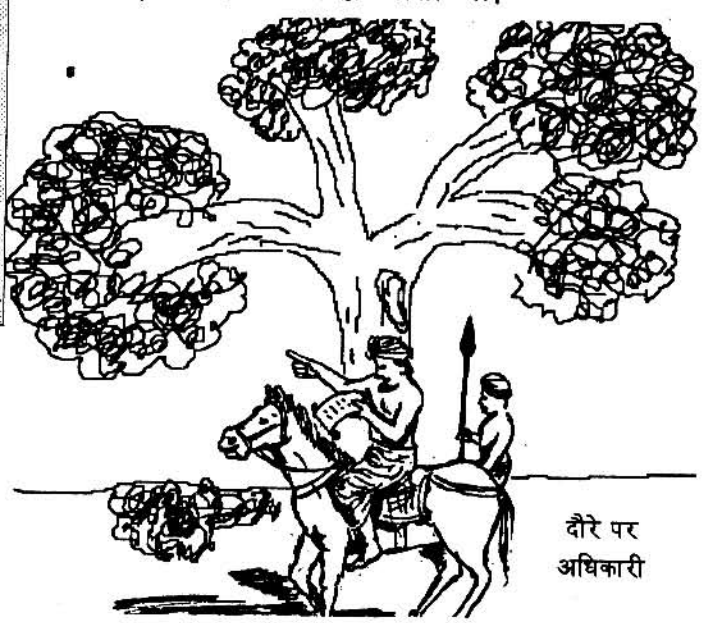

दौरे पर अधिकारी

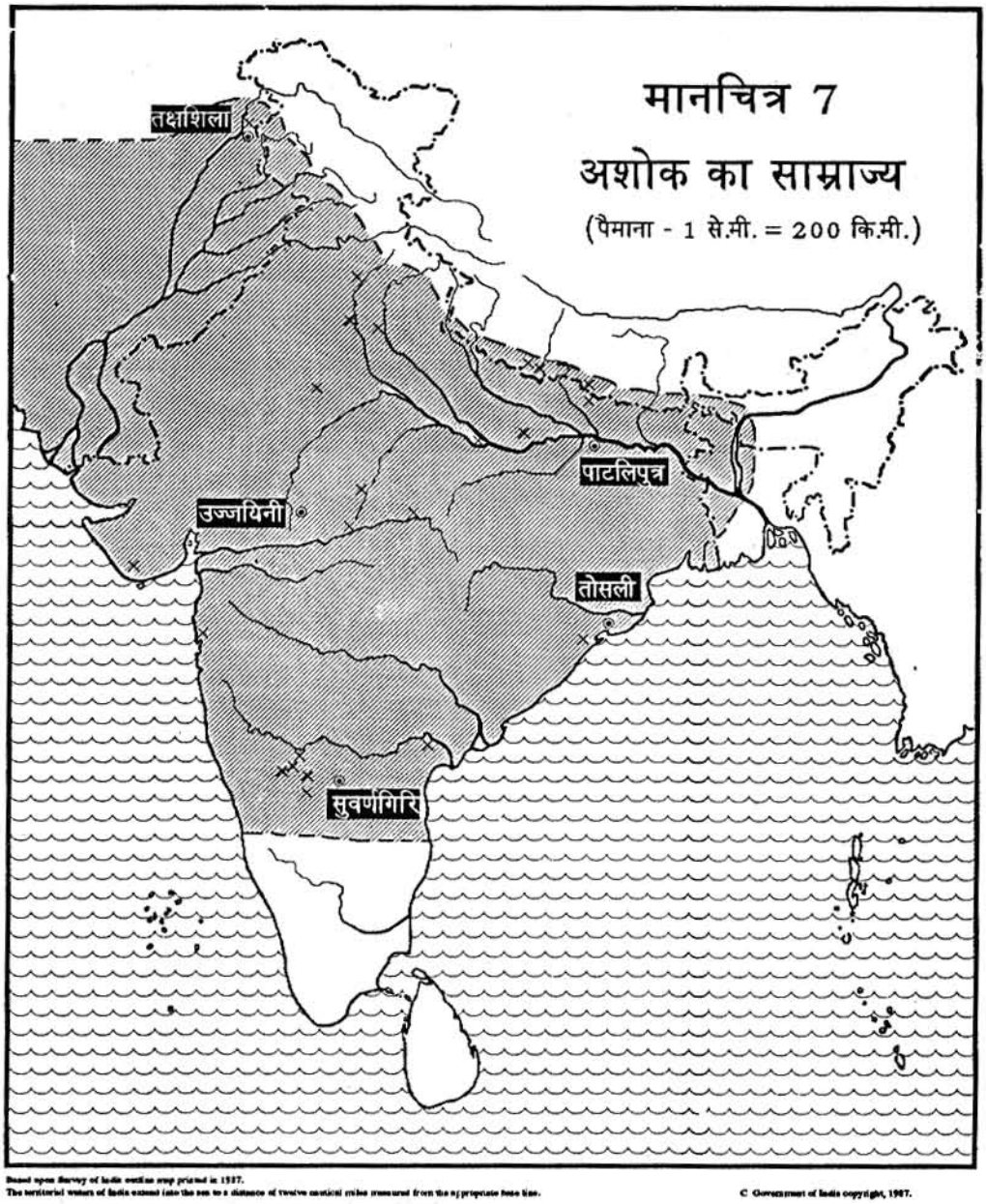

Based upon Survey of India outline map printed in 1987.
The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.

© Government of India copyright, 1987.

संकेत

भारत की वर्तमान बाह्य सीमा	—·—·—
सागर	～～～
शहर	◉
अशोक के शिलालेख मिलने वाली जगह	×
अशोक का साम्राज्य	(छायांकित)

एक लंबे चौड़े राज्य को अपने वश में रखने के लिए अशोक ने क्या क्या किया था? इनमें से कौन सी बातें आज भी की जाती हैं?

अशोक खुद अक्सर राज्य में दूर-दूर की जगहों का दौरा करता था। अशोक ने अपने राज्य में जगह-जगह चट्टानों पर या खंभों पर वहां के अधिकारियों व लोगों के लिए अपने संदेश भी खुदवाए ताकि लोग उसकी बातों पर ध्यान दे सकें। वह लोगों की बोलचाल की भाषा यानी **प्राकृत** भाषा में ये संदेश खुदवाता था। चट्टानों व खंभों पर खुदे उसके संदेशों से हम आज अशोक के समय की कई बातें जान सकते हैं।

अशोक का राज्य शक्तिशाली था। एक लंबे-चौड़े राज्य के लाखों लोगों से लगान वसूल की जाती थी। सैकड़ों छोटे-बड़े अधिकारियों, कर्मचारियों, सैनिकों और सेनापतियों को वेतन देकर सेवा में रखा जाता था। राजा का हुकुम सबसे ऊपर था।

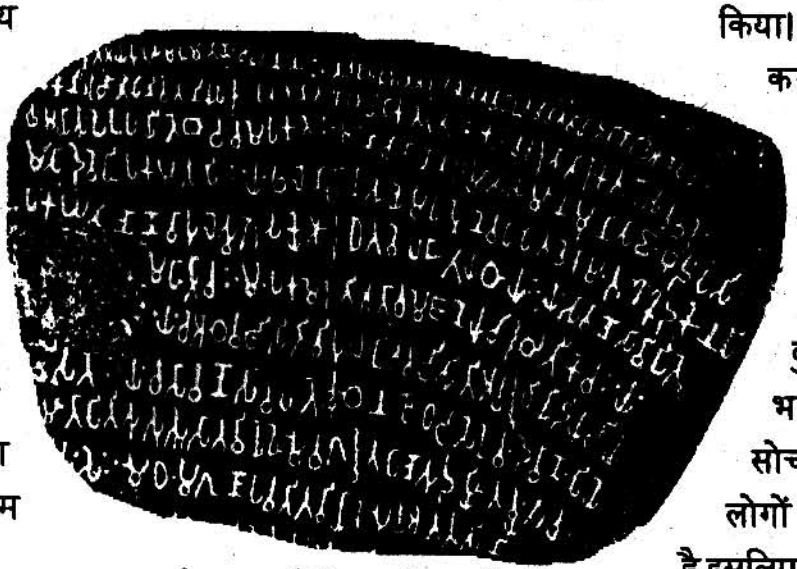

कर्णाटका राज्य में मिला अशोक का शिलालेख

पर, ये वो बातें नहीं हैं जिनके लिए मगध का राजा अशोक आज भी याद किया जाता है।

वह याद किया जाता है क्योंकि उसने राज्य की शक्ति के अलावा लोगों की भलाई की बात सोची; शान्ति और दया की बात सोची।

एक आखिरी लड़ाई

अशोक ने एक ऐसा फैसला किया जो आमतौर पर कोई राजा नहीं करता। उसने कलिंग जनपद को युद्ध में हराने के बाद तय किया कि वह भविष्य में जहां तक हो सके और कोई युद्ध नहीं लड़ेगा।

कलिंग जनपद के युद्ध में अशोक ने जो खून खराबा और तकलीफ़ देखी थी उससे वह बहुत दुखी हुआ था।

अशोक ने युद्ध की तबाही पर बहुत विचार किया। शत्रु को खत्म करके उसका राज्य जीतने पर राजा खुश होते हैं और गर्व करते हैं। पर अशोक का मन दुख और शर्म से भर उठा था। उसने सोचा कि युद्ध से लोगों को दुख पहुंचता है इसलिए वह युद्ध छोड़कर

ऐसे काम करेगा जिससे लोगों की भलाई हो। उसने अपने विचार एक संदेश के रूप में चट्टानों पर खुदवाए -

"राजा बनने के आठ साल बाद मैंने कलिंग को जीता।

"1,50,000 लोगों को देश-निकाला दिया गया और 1,00,000 से भी ज्यादा लोग मारे गये।

"इससे मुझे बहुत दुख हुआ। यह क्यों? जब एक आज़ाद जनपद हराया जाता है वहां लाखों लोग मारे जाते हैं: और बंदी बनाकर अपने जनपद से बाहर निकाल दिए जाते हैं। वहां रहने वाले ब्राह्मण-भिक्षु मारे जाते हैं।

*"ऐसे किसान जो अपने बंधु-मित्रों, दास और मज़दूरों से **नम्रतापूर्ण** बर्ताव करते हैं – ऐसे लोग युद्ध में मारे जाते हैं और अपने **प्रियजनों** से बिछुड़ जाते हैं।*

"इस तरह हर किस्म के लोगों पर युद्ध का बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे मैं बहुत दुखी हूं। इस युद्ध के बाद मैंने मन लगाकर धर्म का पालन किया है और दूसरों को यही सिखाया है।

"मैं मानता हूं कि धर्म से जीतना युद्ध से जीतने से बेहतर है। मैं यह बातें खुदवा रहा हूं ताकि मेरे पुत्र और पोते भी युद्ध करने की बात न सोचें और धर्म फैलाने की बात सोचें।

कलिंग विजय के बाद अशोक के मन में क्या भाव उठे?

उन दिनों और कौन लोग अहिंसा और दया के विचारों को फैला रहे थे?

अगर अशोक का राज्य ताकतवर दुश्मनों से घिरा होता – तब भी क्या अशोक युद्ध न करने का फैसला करता?

तुम्हारे विचार में अशोक की नीति की क्या अच्छाइयां हैं?

अशोक का धम्म

आओ जानें की युद्ध छोड़कर अशोक कौन सा धर्म फैलाने की बात कर रहा था? अशोक जो धर्म फैलाना चाहता था उसमें किसी भगवान या महात्मा या पूजा पाठ या यज्ञ आदि की बातें नहीं थीं।

अशोक सोचने लगा था कि उसकी प्रजा उसके बच्चों के समान है। पिता अपने बच्चों को अच्छी बातें सिखाता है और उनकी भलाई की कोशिश करता है। वैसे ही राजा को भी अपनी प्रजा को सही व्यवहार की बातें सिखानी चाहिए और उनकी भलाई की कोशिश करनी चाहिए।

अशोक देखता था कि लोग यज्ञों में पशुओं की बलि से दुखी हैं, मज़दूरों और दासों को भूख और तंगी के अलावा मालिकों की मारपीट, डांट भी सहनी पड़ती है। उसने देखा कि धर्म के बारे में अलग-अलग विचार हैं और इनको लेकर बहुत झगड़े, बहस और मनमुटाव होते हैं। समाज में लोग एक दूसरे से झूठ बोलते हैं, धोखा देते हैं, और धन

की छीना-झपटी में लगे हैं।

अशोक ने जब इन बातों पर विचार किया तो उसे लगा कि एक राजा का यह कर्त्तव्य है कि वह अपनी प्रजा को जीवन के बारे में सही राह दिखाए। उसने इस काम के लिए अलग से अधिकारी रखे जिन्हें **धम्म-महामात्र** कहा गया। उनका काम था कि वे गांव-गांव नगर-नगर जाकर लोगों को सही **व्यवहार** की बातें बताएं। उसने कई खंभों और चट्टानों पर अपने संदेश खुदवाए।

आओ अशोक के कुछ संदेश पढ़ें–

1. "यहां किसी जीव को मारा नहीं जाएगा। और उसकी बलि नहीं चढ़ाई जाएगी। पहले राजा की रसोई में सैकड़ों हज़ारों जानवर रोज़ मांस के लिए मारे जाते थे। पर अब सिर्फ तीन जानवर मारे जाते हैं, दो मोर और एक हिरण। ये तीन जानवर भी भविष्य में नहीं मारे जाएंगे।

*2. "लोग तरह-तरह के **अवसरों** पर तरह-तरह के **संस्कार** करते हैं। जब बीमार पड़ते हैं, जब लड़के-लड़कियों की शादी होती है, जब बच्चे पैदा होते हैं, जब यात्रा पर निकलते हैं आदि। महिलाएं खासकर बहुत से ऐसे बेमतलब के संस्कार करती हैं।*

ऐसे धार्मिक संस्कारों को करना तो चाहिए पर इनसे मिलने वाला लाभ कम ही है। कुछ संस्कार ऐसे होते हैं जिनसे ज्यादा फल मिलता है। वे क्या हैं? वे हैं, गुलामों और मज़दूरों से नम्रता से व्यवहार करना, बड़ों का आदर करना, जीव-जंतुओं से संयम से व्यवहार करना, ब्राह्मणों और भिक्षुओं को दान देना आदि।

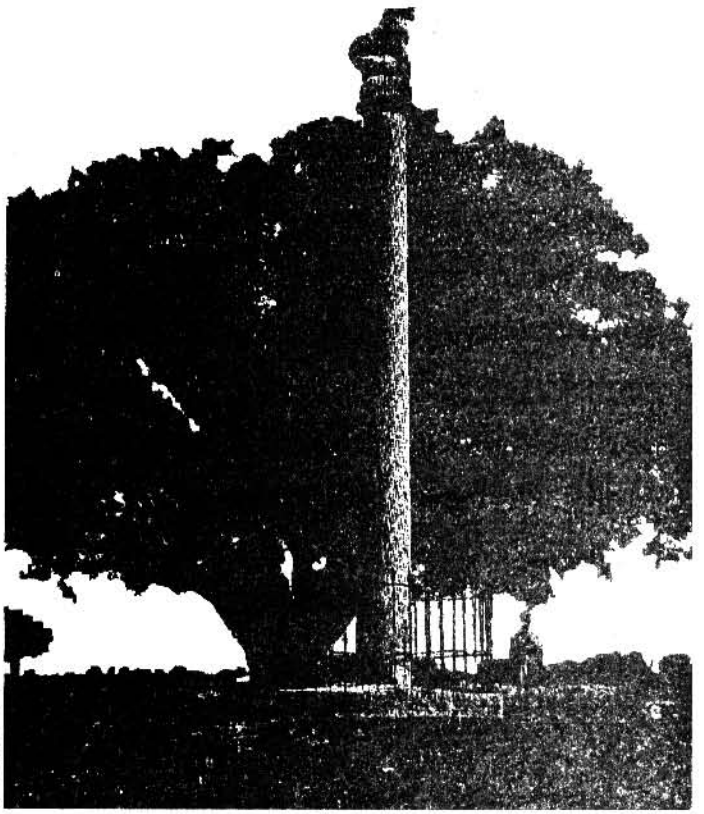

बिहार राज्य में बना अशोक का एक स्तंभ

*3. "अपने धर्म के **प्रचार** में संयम से बोलना चाहिए। अपने धर्म के गुणों को बढ़ा-चढ़ा कर कहना या दूसरे धर्मों की बुराई करना दोनों ग़लत हैं। हर तरह से, हर वक्त दूसरे धर्मों का आदर करना चाहिए।*

"अगर कोई अपने धर्म की बढाई करता है और दूसरे धर्मों की बुराई करता है तो असल में वह अपने धर्म को नुकसान पहुंचाता है। इसीलिए एक दूसरे के धर्म की मुख्य बातों को समझना और उनका सम्मान करना चाहिए।

अशोक अपनी प्रजा को क्या-क्या बातें सिखाना चाहता था? चर्चा करो।

अशोक ने अपने संदेशों को अपने अधिकारियों के हाथ दूसरे राजाओं के दरबार में भी पहुंचाया और उनसे दोस्ती की। उसके अधिकारी मिस्र, यूनान और श्रीलंका के राज्यों तक उसके संदेश लेकर गए।

अशोक खुद बौद्ध धर्म को मानने लगा था। उसने बौद्ध संघ और बौद्ध भिक्षुओं के **मठों** की सहायता की। वह बुद्ध के जन्म स्थान भी गया। (लुंबिनी वन नाम की यह जगह आज नेपाल देश में है।) वहां उसने लुंबिनी गांव के लोगों पर से बलि नाम का कर हटा दिया।

बौद्ध धर्म को मानते हुये भी अशोक ने राज्य के सभी धर्मों को दान दिया और सहायता दी। उसने अपनी प्रजा से भी बार-बार यही कहा कि वे सभी धर्मों की बातें सुनें और किसी धर्म का अपमान न करें। उसने लोगों से ब्राह्मणों और भिक्षुओं दोनों को दान देने के लिए कहा।

अशोक लोगों को अच्छी बातें सिखाने के साथ-साथ उनकी भलाई के लिए कई काम करना चाहता था। उसने लोगों की भलाई के लिए कई जगह सड़कें बनवाईं, उनके दोनों तरफ छायादार व फलदार पेड़ लगवाए, हर आधे कोस पर कुंएं बनवाए और यात्रियों के ठहरने के लिए धर्मशालाएं बनवाईं। वह अपने राज्य का धन इस तरह लोगों की मदद करने के लिए खर्च करना चाहता था।

अशोक अपने से पहले आने वाले राजाओं से किन बातों में अलग लगता है?

तुम्हें अशोक में ऐसी क्या बातें नज़र आईं जिनके कारण आज भी उसे याद रखा जाना चाहिए?

अभ्यास के लिए प्रश्न

1. राजा अशोक के ऐसे दो फैसले बताओ जो हिंसा को कम या खत्म करने के लिए किए गए थे।
2. अशोक ने युद्ध छोड़ने के बाद लोगों पर अपना प्रभाव बनाने की किस तरह कोशिश की?
3. क्या युद्ध छोड़ने के बाद अशोक एक कमज़ोर राजा बन गया? अपने विचार समझा कर लिखो।
4. पृष्ठ 68 और पृष्ठ 90 के मानचित्रों की तुलना करते हुए बताओ कि दोनों में बताई बातों में क्या अंतर हैं?
5. शिकारी मानव के समय से लेकर अशोक के समय तक बहुत समय बीता।
   क) इस बीच क्या-क्या हुआ, सही क्रम में जमाओ-
   सिन्धु घाटी के शहर, बुद्ध, खेती की शुरुआत, महाजनपद, अशोक, शिकारी मानव, छोटे जनपद, पशुपालक आर्य।
   ख) इनमें से कौन सा समय सबसे ज़्यादा आज जैसा लगता है और क्यों?

मध्य प्रदेश में अशोक के शिलालेख और खंभे पर लेख

सीहोर जिले में बुदनी से रेहटी जाने की सड़क पर एक गांव है **नपटी तलाई**। इस गांव के पीछे जो पहाड़ और जंगल है उनके बीच एक गुफा है। गुफा की दीवार पर शिकारी मानव के चित्र बने हैं। उसी दीवार पर एक तरफ राजा अशोक का एक संदेश लिखा हुआ है। यह आज भी साफ दिखाई देता है।

इस जंगल भरे इलाके में राजा अशोक का संदेश क्यों और कैसे आया होगा? इस प्रश्न का उत्तर यह है कि पहाड़ी पर बौद्ध भिक्षुओं के रहने की जगह बनी हुई थी। **स्तूप** भी बने थे। कमरों और स्तूपों के टूटे-फूटे पत्थर और फर्श अभी भी बचे हुए हैं। शायद राजा अशोक का कोई राजकुमार या महामात्र नर्मदा किनारे रहने वाले बौद्ध भिक्षुओं के पास आया था और राजा का संदेश लाया था।

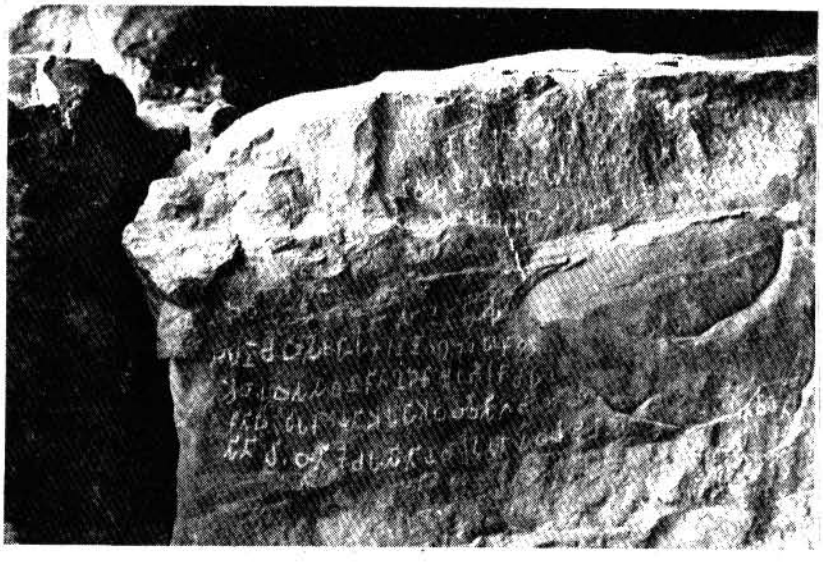

नपटी तलाई का शिलालेख

ऐसा ही एक और शिलालेख जबलपुर के पास **रूपनाथ** नाम के गांव में मिला है।

तुमने **सांची** के बारे में ज़रूर सुना होगा। तुममें से कईयों ने सांची के प्रसिद्ध स्तूप देखे भी होंगे। इस स्तूप की शुरुआत अशोक के समय में ही हुई थी। यहां पर एक बहुत ही ऊंचे चमकीले खंभे पर अशोक का संदेश खुदा है। इस खंभे पर चार शेरों वाला अशोक चिन्ह रखा हुआ था। यह चिन्ह अब एक संग्रहालय में रखा हुआ है।